RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 04 मार्च 2024 वर्ष 05 अंक 312 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

बीजेपी के बैनर से सीएम शिंदे की तस्वीर गायब !

महाराष्ट्र में सब ठीक है...?

दिलचस्प बात यह है कि बैनर पर अजित पवार को जगह दी गई है

ठाणे : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे जिले में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। जिले में बीजेपी-शिंदे गुट में संघर्ष देखने को मिल रहा है। बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड़ ने पुलिस स्टेशन के अंदर शिवसेना नेता और सांसद श्रीकांत शिंदे के करीबी महेश गायकवाड़ पर गोली चला दी थी। इसमें महेश गायकवाड़ घायल हो गए। इस घटना के बाद शिवसेना और बीजेपी के बीच तकरार खत्म होती नहीं दिख रही है।

विधायक गणपत गायकवाड़ के विधानसभा क्षेत्र में बड़े-बड़े बैनर लगाए गए हैं। विकास कार्यों की जानकारी देने वाले बैनर पर प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जय प्रकाश नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले समेत विधायकों समेत स्थानीय नेताओं की तस्वीरें हैं। बैनर पर एनसीपी नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की तस्वीर भी छपी है लेकिन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत एक भी शिवसेना नेता को बैनर पर जगह नहीं दी गई है।

बैनर से शिंदे गायब...

बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड़ के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र में 1 करोड़ 95 लाख के विकास कार्य किये जा रहे हैं। उन कार्यों का ब्योरा बैनर पर दिया गया है। उनका भूमिपूजन गायकवाड़ की पत्नी सुलभा करेंगी। गायकवाड़ की ओर से लगाए गए बैनरों ने सभी का ध्यान खींचा है। इस बैनर में अजित पवार की फोटो है, लेकिन एकनाथ शिंदे की कोई फोटो नहीं है। ऐसे में बीजेपी और शिवसेना के बीच शीत युद्ध जारी नजर आ रहा है।

धारावी में बवाल...

गणेश पंडाल की जगह शौचालय के फैसले पर जनता में आक्रोश

मुंबई : एशिया की सबसे घनी बस्ती धारावी के चौगुले चाल के निवासियों में मनपा के खिलाफ आक्रोश भरा हुआ है, उनके सार्वजनिक गणेश पंडाल की जगह पर मनपा शौचालय बनाने जा रही है। इसके विरोध में लोग सड़क पर उतर आए हैं। उनका कहना है हमारी आस्था की जगह हमें शौचालय नहीं चाहिये। चौगुले चाल में पिछले 40 वर्षों से जय गणेश बाल गोपाल सार्वजनिक मंडल के जरिये गणेश उत्सव मनाया जाता है। सार्वजनिक महोत्सव,पूजापाठ, भजन-कीर्तन किया जाता है। खाली समय मे स्थानीय बच्चे इस जगह पर खेलते हैं। चौगुले चाल की इस जगह पर मनपा की नजर पड़ गई है और उस पर शौचालय निर्माण करना चाहती है।

अपना विरोध जताने के लिये रविवार को सुबह सभी महिलाएं और बच्चे भी सड़क पर उतर आए, स्थानीय महिलाओं का कहना है कि यहां से थोडी दूरी पर दो शौचालय हैं। हमें अन्य शौचालय की जरुरत नहीं है। स्थानीय निवासी महिला उर्विका जैन का कहना है कि बगल के दो शौचालय हमेशा गंदे रहते हैं। उनकी सफाई नहीं की जाती, अगर यहां भी शौचालय बना दिया गया तो वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों को बीमारी का खतरा पैदा हो जाएगा। हम किसी भी हालत मे यहां शौचालय नहीं बनने देंगे। इसके बदले गार्डन बनाया जाए वरना हम तीव्र आंदोलन करेंगे।

आस्था के साथ ना करें खिलवाड़ ...

स्थानीय नागरिकों ने अपनी बातें लिखित रुप से सांसद राहुल शेवाले और स्थानीय नगर सेवक को दी है और उनसे शौचालय के बदले गार्डन और पुस्तकालय बनाने की अपील भी की, लेकिन जन प्रतिनिधि आश्वासन देते हैं, पर उसपर अमल नहीं कर रहे हैं। इससे नाराज होकर चौगुले चाल के निवासियों ने जी नार्थ के मनपा आयुक्त से मिलकर ज्ञापन भी सौपा और निवासियों के हस्ताक्षर वाले पत्र में लिख कर मांग की है कि चौगुले चाल की जिस जगह पर शौचालय बनाने की मनपा की योजना है, वहां वरिष्ठ नागरिक जमा होते हैं, गणेश की प्रतिमा बिठाई जाती है, पूजा की जाती है उस जगह पर कोई दूसरी चीज बनाई जाए, हमारी आस्था के साथ खिलवाड़ ना किया जाए।

मनपा स्कूल के शिक्षक संकट में...

2 दिन चुनाव कार्य, 4 दिन स्कूल

मुंबईः भले ही मुख्य चुनाव अधिकारी ने मुंबई के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों को चुनाव कार्य से बाहर करने का आदेश दिया है, लेकिन हकीकत में नगर निगम स्कूलों के शिक्षकों को इससे बिल्कुल भी छूट नहीं दी गई है. हालांकि मनपा के शिक्षा विभाग ने आदेश दिया है कि शिक्षक दो दिन चुनाव और चार दिन स्कूल का काम करें, लेकिन चुनाव विभाग के अधिकारी शिक्षकों को कार्यमुक्त करने को तैयार नहीं हैं. ऐसे में ये शिक्षक स्कूल और चुनाव कार्य की जिम्मेदारियों में फंस गए हैं।

मुद्दा उठाया गया कि शिक्षकों के चुनाव कार्य में शामिल होने से परीक्षा के दौरान छात्रों को नुकसान होगा. इस पर शिक्षकों ने नाराजगी जताई। इस फैसले की मीडिया में आलोचना भी हुई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे और शिक्षक विधायक कपिल पाटिल ने इस फैसले का विरोध किया. इसके बाद चुनाव अधिकारियों ने शिक्षकों पर इस जिम्मेदारी का बोझ कम कर दिया. 23 फरवरी को नगर निगम आयुक्त, कलेक्टर द्वारा बैठक कर शिक्षकों को इस जिम्मेदारी से मुक्त करने का आदेश दिया गया था. इसी के तहत नगर निगम प्रशासन ने शुक्रवार को बैठक कर इस संबंध में सर्कुलर जारी किया. उसमें शिक्षा अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि शिक्षक प्रत्येक सप्ताह के दो दिन मंगलवार एवं शनिवार को निर्वाचन कार्यालय जायेंगे तथा शेष चार दिन विद्यालय में उपस्थित होकर कक्षा में शिक्षण का कार्य करेंगे.

मुंबई में जुलाई 2005 में आई बाढ़ को नहीं भूल सकते- बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि वह जुलाई 2005 की बाढ़ को नहीं भूल सकता जब मीठी नदी के तट पर अवैध निर्माण के कारण मुंबई लगभग पूरी तरह जलमग्न हो गई थी और व्यापक पैमाने पर नुकसान हुआ था। न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति कमल खाता की खंडपीठ ने कहा कि जनता का हित उसे एक वेलफेयर सोसाइटी को कोई बड़ी राहत देने की अनुमति नहीं देगा जिसने प्रस्तावित मीठी नदी सुधार परियोजना के खिलाफ याचिका दायर की है।

पीठ ने 29 फरवरी को आशियाना वेलफेयर सोसाइटी और समीर अहमद चौधरी की दो याचिकाओं पर सुनवाई की थी, जिन्होंने मीठी नदी के आसपास के क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए प्रस्तावित बुनियादी ढांचा परियोजना से प्रभावित होने का दावा किया है। याचिकाओं में सोसाइटी की संरचनाओं को गिराने पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि जनता की याददाश्त कमजोर हो सकती है लेकिन यह इतनी भी कमजोर नहीं हो सकती कि शहर जुलाई 2005 के उस समय को पूरी तरह भूल जाए, जब यह लगभग पूरी तरह पानी में डूब गया था और सबसे ज्यादा प्रभावित हिस्सों में से एक मीठी नदी खासतौर से उसका मुहाना था। इसने कहा कि काफी नुकसान हुआ था और ज्यादातर नुकसान मीठी नदी के तट पर अवैध निर्माण के कारण हुआ था। अदालत ने कहा कि जनता का हित उसे याचिकाकताओं को ज्यादा राहत देने की अनुमति नहीं देगा खासतौर से जब एक पुनर्वास नीति मौजूद हो जिसका उच्च न्यायालय उल्लेख करेगा। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह 13 मार्च को याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, तब तक संरचनाओं के खिलाफ कोई बलपूर्वक कार्रवाई न करने के पहले का आदेश जारी रहेगा। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अनुसार, इस परियोजना में मीठी नदी पर ह्यारिटेनिंग दीवार और 12 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण तथा उसका चौड़ीकरण शामिल है। मुंबई में 26 जुलाई 2005 को अभूतपूर्व बारिश के कारण मीठी नदी का तटबंध टूटने से शहर में बाढ़ आ गई थी।

टैक्सी और रिक्शा एसोसिएशन एक बार फिर किराया बढ़ाने पर दे रहे जोर...

मुंबईः मुंबई में टैक्सी और रिक्शा एसोसिएशन एक बार फिर खटुआ समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए किराया बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। वर्तमान में टैक्सी का न्यूनतम किराया 28 रुपये और रिक्शा का किराया 23 रुपये है और संगठनों ने इन किराए को कम बताते हुए किराया क्रमशः 4 रुपये और 2 रुपये प्रति किमी बढ़ाने का फैसला किया है। कोरोना काल में जो नुकसान हुआ उसकी भरपाई नहीं हो पाई है. साथ ही रिक्शा और टैक्सियों के रखरखाव और मरम्मत की लागत आधी हो गई है. इसके साथ ही ईंधन के दाम भी कम नहीं हुए हैं. इसलिए खटुआ कमेटी की अनुशंसा के आधार पर किराया बढ़ाने का प्रस्ताव एसोसिएशन की ओर से परिवहन विभाग को भेजा जायेगा. अक्टूबर 2022 को रिक्शा का किराया 21 रुपये से बढ़ाकर 23 रुपये कर दिया गया.

संपादकीय / लेख

बदले मुद्दे, बदला मौसम

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हिमाचल सरकार की निरंतरता में अब नए कदम भले ही सामान्य परिस्थितियां मान कर चलें, लेकिन जो शिकारी थे वे मोर्चे पर ही देखे गए। पहले एक ही नदी में दो धाराएं थीं अब ये धाराएं अलग-अलग नदियां हैं और कहीं समुद्र का वर्चस्व इन्हें समेटने की जुर्रत में भले ही कुछ पल शांत दिखे, मगर मौसम को अब ज्वार भाटों की आदत है। बहरहाल दिल्ली का जलबा हिमाचल में कांग्रेस को कुछ सफेद फूल और हरी झंडियां देकर लौट गया, लेकिन पर्वतीय राज्य में कबूतरों के रंग पर संदेह बढ़ा स्वाभाविक है। जो छोड़ गए, वे अतीत के पन्नों पर कुछ सख्त जरूर लिख गए, लेकिन भविष्य के अध्यायों में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह को फिर से अमन लिखना है। हालांकि जब शिमला में सब कुछ सामान्य दिखाई दे रहा था, तो लाहुल-स्पीति के विधायक रवि ठाकुर के घर की सडक पर वन विभाग का अड़ंगा उग रहा था। धर्मशाला में सुधीर शर्मा के पक्ष और विरोध में एक-एक पुतला संघर्ष कर रहा था। हम इन दो घटनाओं की पहरेदारी में राजनीति का एक ऐसा पक्ष देख सकते हैं, जो हिमाचल की परिस्थितियों और परंपराओं को घातक बनाने के लिए एक तरह से उतावलेपन को इंगित करता है। सियासत के वर्तमान माहौल में छाई अनिश्चितता से अस्थिरता का अंदेशा होना स्वाभाविक है, लेकिन आगे चलकर अगर यह कहीं आचरण में तबदील हो गया, तो यह राज्य पूर्वात्तर की तरह फंस सकता है। कांग्रेसी पर्यवेक्षकों की गवाही में सरकार के वर्तमान को सशर्त चलाने का वादा राज्य से हुआ है, लेकिन कार्यकताओं के जश्न में कांग्रेस को बांटने का अगर दृश्य पैदा होता है तो कई हाशिए टकराएंगे। यह मानना पड़ेगा कि सत्तारूढ़ पार्टी के हाशिए न होते, तो छह विधायकों ने इस कद्र के कदम उठाए न होते। अंततः खुद को सहेजने के लिए कांग्रेस को अपने दरबार, अपने व्यवहार और अपने संकल्प बदलने होंगे। छह विधायकों से निजात पाना अगर उद्देश्य था, तो खबर यह होनी चाहिए कि सत्ता ने एक सांसद खोया है, ये विधायक खोए हैं।

इन छह विधायकों की भरपाई के लिए अब मुद्दे और मौसम बदल गए हैं। टकराव की आंधियों में अगर अपनों के खोने का जश्न है, तो विरोधियों की खुशी में क्यों न शरीक हुआ जाए। कांग्रेस के जिस हिस्से में लड्डू फूट रहे हैं, वे इन छह विधानसभा क्षेत्रों के बागी मुद्दों को पकड़ के दिखाएं। मसलन धर्मशाला में पुतले लेकर घूम रहे कांग्रेसी बताएं कि केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर के पुतले को भी वे आग लगाएंगे। यह छह विधायकों से कांग्रेस को आजादी नहीं मिली, बल्कि सत्ता में वापसी का हुनर कहीं तबाह हुआ है। जनता यह क्यों न सोचे कि कांग्रेस में अब सरकारें चलाने की प्रतिभा नहीं रही। जरा सोचें कि विधानसभा अध्यक्ष ने मौके की नजाकत में दुरभि संधियां न तोड़ी होतीं या आलाकमान ने तीव्रता से कार्रवाई न की होती, तो युद्ध क्षेत्र में यह डंका न बजता। अब कांग्रेसी मिजाज और सत्ता के व्यवहार में अगर अंतर नहीं आता, तो आत्मचिंतन को भूल कर सत्ता में चूर होने से कौन रोक सकता है। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व द्वारा विधायक समन्वय समिति का गठन अगर इसकी भावना में होता है, तो आगे का सफर समन्वित हो सकता है। प्रदेश की राजनीति के लिए कांग्रेस को मिला जनादेश सफलतापूर्वक चलना चाहिए। छह विधायकों की गाड़ी छूटने के बाद कांग्रेस का दायित्व राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी बढ़ जाता है। हिमाचल में कांग्रेस सरकार का आना पूरी पार्टी के मनोबल को बढ़ा गया था। इसी मॉडल पर हुए प्रहार ने जिन आशंकाओं को बढ़ाया है, उन्हें निरस्त करने के लिए वर्तमान सुक्खू सरकार को अब और मेहनत करनी होगी। सत्ता का कारवां जहां से चला और जहां पहुंचा, वहां के खंडित अध्यायों में फिर से खूबसूरत हस्ताक्षर चाहिए और यह कार्य हड़बड़ी का नहीं, संयम और विवेक का है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok
#faisalrokthok

मुंबई में 8000 शौचालयों की होगी प्रतिदिन सफाई

1300 करोड़ रुपए खर्च करेगी मनपा

मुंबई : मनपा मुंबई में प्रतिदिन 8000 सार्वजनिक शौचालयों की सफाई नियमित रूप से करेगी। इसके लिए 1300 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है। प्रतिदिन 8000 शौचालय की सफाई करने वाली मनपा देश की पहली महानगरपालिका बन जाएगी। यह जानकारी मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने दी। उन्होंने कहा कि मुंबई में शौचालयों की सफाई और पुनर्निर्माण के लिए मनपा ने अभियान चलाया है।

मुंबई में कुल 8000 सार्वजनिक शौचालय हैं। इनमें म्हाडा के 3000 शौचालयों के देखरेख की भी जिम्मेदारी मनपा ने ली है। इन शौचालयों में करीब सवा लाख सीटें हैं। इन शौचालयों के सफाई की जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों को दी जाएगी। जल्द ही इनमें से प्रत्येक शौचालय के लिए एक पूर्णकालिक सफाई कर्मचारी तैनात किया जाएगा। अगले दो महीने में संबंधित कंपनी से कर्मचारियों को वैक्यूम क्लीनिंग मशीन, ब्रशिंग मशीन, रोड क्लीनर जैसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हो जायेंगे। बता दें कि मुंबई शौचालय की कमी दूर करने के लिए लॉट 12 के तहत मुंबई में 500 से अधिक शौचालय का निर्माण कर रही है। इसमें 14000 से अधिक सीटें उपलब्ध होगी। इसका फायदा लाखों लोगों को होगा। मनपा के ज्यादातर शौचालय झोपड़ पट्टी में बनाए जा रहे हैं। चहल ने कहा कि मुंबई में पिछले 14 सप्ताह से चल रहे संपूर्ण सफाई अभियान के कारण महानगर में वायु प्रदूषण कम हुआ है और वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। स्वच्छता अभियान से मुंबईकरों के स्वास्थ्य पर भी अनुकूल असर पड़ेगा। इस अभियान से इस वर्ष बारिश में संक्रामक बीमारियों में निश्चित रूप से कमी आयेगी। मुंबईकरों के अच्छे स्वास्थ्य और स्वच्छ मुंबई रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। बता दें कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 3 दिसंबर 2023 से मुंबई में संपूर्ण स्वच्छता अभियान शुरू किया गया था। सीएम शिंदे स्वयं इसमें लगातार हिस्से ले रहे थे। अब मनपा अधिकारी और कर्मचारी इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं।

बुलडाणा के तामगांव पुलिस ने युवक को बेरहमी से पीटा...

बुलडाणा : आए दिन पुलिस की बर्बरता की कई घटनाएं सामने आती रहती हैं। इस बीच बुलढाणा (बुलढाणा) जिले में एक ऐसी ही घटना सामने आई है. थाने पर बुलाकर फियार्दी को बेरहमी से पीटने की घटना प्रकाश में आयी है. दिलचस्प बात यह है कि जिस आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, उसने फियार्दी की पिटाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है. यह घटना बुलढाणा जिले के तामगांव पुलिस थाने में होने की बात सामने आ रही है.

शेख मतीन शेख मोबीन बस स्टैंड पर रिक्शा लेकर खड़ा था. इस बार वहां चार महिलाएं और एक पुरुष आये. मतीन से यह भी कहा कि वह हमें पातुरदा फाटा छोड़ दे। इसलिए वे संबंधित लोगों को पातुरदा फाटा छोड़ने के लिए जा रहे थे। इसी समय शेखर पुंजाजी नपनारायण वहां आये. उन्होंने मतीन के साथ भी गाली-गलौज की और उसे यह कहते हुए पीटा कि वह मेरे रिश्तेदारों को कैसे ले गया। इसलिए मतीन की शिकायत पर शेखर पुंजाजी नपनारायण के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। हालांकि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करते हुए फियार्दी को थाने बुला लिया।

उलट पुलिस कर्मियों ने फियार्दी को ही थाने बुलाकर पिटाई कर दी. तो अब यह प्रश्न खड़ा हो गया है कि पीड़ित वादी न्याय के लिए गुहार लगाए। साथ ही पिटाई करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की है

नायगांव पश्चिम में स्कूल बस ने 2 मासूमों को बेरहमी से कुचला...

मुंबईः नायगांव पश्चिम में सेंट ऑगस्टीन हाई स्कूल, वसई के छात्रों को ले जा रही एक बस ने दो नाबालिग बहनों को अपने पहिये के नीचे कुचल दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। पांच और दो साल की दोनों बहनें अमोल नगर कॉलोनी में एक-दूसरे का हाथ पकड़कर सड़क पार कर रही थीं, तभी स्कूल बस ने उन्हें टक्कर मार दी। बस रुकने के बाद उसके अगले दाहिने पहिये ने उन्हें कुचल दिया, जिससे वे घायल हो गए। घटना कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बड़ी बहन, जिसका दुर्घटना में दाहिना पैर टूट गया था, सर्जरी के बाद वसई के एक अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रही है। ''उसके पैर में एक रॉड डाली गई है। ''पीड़ितों के चाचा ने कहा।

अंसारी ने कहा, ह्लहम सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रही संरचना में

भूतल पर रहते हैं, और घर के सामने हमारी एक किराना दुकान है। दोनों बहनें किराना दुकान की ओर जा रही थीं लेकिन दुर्घटना में घायल हो गईं।'' बड़ी बहन का वसई के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि छोटी को मीरा रोड के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया है। अंसारी ने कहा, ह्लडॉक्टरों ने कहा कि वे दोनों खतरे से बाहर हैं।'' मानिकपुर पुलिस ने बस मालिक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने उसे मानिकपुर थाने में हिरासत में लिया और जांच में सहयोग करने का नोटिस देकर जाने दिया।

राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा को बीच में छोड़कर जाएंगे पटना...

मध्य प्रदेश : राहुल गांधी की नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को50 दिन पूरे हो चुके हैं। मध्य प्रदेश में यात्रा का दूसरा दिन है। आधे दिन का ब्रेक लगेगा, क्योंकि राहुल गांधी के कार्यक्रम में कुछ बदलाव हुआ. इसी बीच, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है किराहुल गांधी विपक्षी गठबंधन की रैली में शामिल होने के लिए पटना जाएंगे। इसके बाद कल शिवपुरी से यह यात्रा दोबारा शुरू होगी। जयराम रमेश ने कहा, ह्लआज भारत जोड़ो न्याय यात्रा का 50वां दिन है, थोड़ा बदलाव हुआ है, क्योंकि राहुल गांधी को विपक्ष की रैली में शामिल होने के लिए पटना जाना है।सुबह वह अग्निवीर योजना पर बातचीत करेंगे। दोपहर में, भारत जोड़ो न्याय यात्रा नहीं होगी। कल, हम शिवपुरी से यात्रा फिर से शुरू करेंगे।' मध्य प्रदेश में अपनी यात्रा के दूसरे दिन राहुल गांधी अलग-अलग वर्गों से संवाद करेंगे। एमपी में दूसरे दिन यात्रा ग्वालियर से शुरू होगी। राहुल गांधी पूर्व सैनिकों और भावी अग्निवीरों के साथ संवाद करेंगे।यात्रा मोहना में रुकेगी और राहुल गांधी दोपहर में पटना जाएंगे।

दैनिक रोकठोक लेखनी
मुंबई : सोमवार 04 मार्च 2024

50 हजार से अधिक पद पड़े है रिक्त

बढ़ती जनसंख्या के बावजूद मुंबई मनपा में रिक्त पद होने से लोगो की बढ़ रही तकलीफे...

मुंबई : मुंबई महानगर पालिका में लगभग 50 हजार पद रिक्त पड़े है। जनसंख्या बढ़ने के बावजूद रिक्त पड़े पदों से लोगो को भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। मनपा में कुल 1 लाख 45 हजार पद है जिसमें मात्र 92 हजार पद पर ही कर्मचारी काम कर रहे है। मुंबई में जनसंख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। इसके बावजूद मुंबई मनपा में कर्मचारियों की संख्या घटती जा रही है। हर साल मनपा कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति से मुंबई की जनता को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। सवा करोड़ से अधिक की जनसंख्या मुंबई में हो गई है। मनपा में लोगो को सुविधा देने के लिए कुल 129 विभाग के मार्फत लोगो को सुविधाएं दी जाती है जिसमे से कई विभाग अत्यावश्यक सेवा में आते है। मनपा ने नागरिकों को सेवा सुविधा देने के लिए नए विभाग बनाए गए है। लेकिन इसके बावजूद मनपा पिछले कई सालों से रिक्त पड़े पदों को भरने का काम नहीं किया गया। कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति, मृत्यु के कारण हर साल रिक्तियों की संख्या बढ़ती जाती है। प्राधिकरण से जानकारी मिली है कि कई वर्षों से भर्ती न होने के कारण पचास हजार से अधिक पद रिक्त हैं। मनपा कर्मचारी कामगार सेना ने मांग की है कि इन पदों को तुरंत भरा जाए. उपाध्यक्ष संजय बापरकर ने मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल को पत्र लिखकर इन पदों पर भर्ती करने की मांग की है. पत्र में यह भी कहा गया है कि हालांकि मनपा दैनिक काम और आवश्यक काम ठेके के कर्मचारियों से कराया जा रहा है और यह उचित नहीं है। कामगार सेना के अध्यक्ष बाबा कदम ने मांग की है कि मनपा कर्मचारियों के उत्तराधिकारी को मनपा की सेवा में लिया जाए। इतना ही नही ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों को अनुभव के अनुसार उन्हें नियमित किया जाना चाहिए।

एक मंच पर आया पवार परिवार...

शरद पवार ने की शिंदे की तारीफ

मुंबई : पवार परिवार के गढ़ बारामती में शनिवार को आयोजित नमो महारोजगार मेले के दौरान मंच पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस से लेकर शरद पवार, अजित पवार, सुप्रिया सुले, सुनेत्रा पवार तक एक साथ नजर आए। मंच पर शरद पवार और देवेंद्र फडणवीस साथ बैठे। मंच से मुख्यमंत्री शिंदे ने अजित पवार का अभिनंदन करते हुए कहा कि बारामती के विकास में शरद और अजित पवार का योगदान अहम है। काम की गुणवत्ता और उसे समय पर पूरा करने का श्रेय अजित पवार को जाता है। बारामती में विकास का एक मॉडल अजित पवार ने दिया है। बारामती में दो दिवसीय नमो महारोजगार मेले का आयोजन किया गया है। इसमें राज्य के करीब 25 हजार युवाओं को रोगजार मिलने की संभावना है। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिंदे ने अपनी सरकार के द्वारा किए गए विकास कार्यों का जिक्र किया। साथ ही मराठा आरक्षण और राज्य में निवेश की बात भी की। सीएम शिंदे ने कहा कि विकास कार्यों के बीच हम राजनीति नहीं लाते हैं। राजनीति से परे है यह सरकार।

बारामती को नंबर बनाना है: अजित पवार

उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार बारामती पहुंचे हैं। नमो रोजगार मेला हर विभागीय क्षेत्रों में लाया जा रहा है। रोजगारों के अलावा विकास के कामों का भी उद्घाटन यहां किया जा रहा है। बारामती को नंबर 1 विकास करना है। राज्य में नंबर 1 तहसील बनाना है, इसके लिए मुझे, सीएम शिंदे और डीसीएम फडणवीस का साथ चाहिए। बाद में सुप्रिया सुले ने कहा कि बारामती पहले से ही नंबर वन है।

दादा ने बारामती में काफी काम किया: फडणवीस

रोजगार मेले का श्रेय अजित पवार को देते हुए उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अजित पवार ने इस क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई है। अजित पवार ने बारामती का बस स्टैंड एयरपोर्ट जैसा बनाया है। यहां कॉपोरेट ऑफिस की तरह पुलिस स्टेशन है। अजित पवार की मदद अच्छी इमारतें बनाने के लिए लेता रहूंगा। यह सब विकास कार्य उनके कारण हुए हैं। मंच से शरद पवार ने कहा कि जहां यह कार्यक्रम चल रहा है, उस संस्था की स्थापना 1971 में की गई थी। उन्होंने कहा कि राजनीति अपनी जगह, लेकिन नई पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार देने का काम भी महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार यह काम कर रही है, अच्छी बात है। पवार ने कहा कि वे राज्य सरकार का अभिनंदन करते हैं कि वह यहां नौकरियां देने आई है।

42 करोड़ की नशीली दवाओं की जब्ती से जुड़ा पुणे पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

पुणे: महाराष्ट्र के पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ में एमडी ड्रग जब्ती की चल रही जांच में एक बड़ी सफलता में, स्थानीय क्षेत्र में ड्रग रैकेट में कथित संलिप्तता के लिए एक पुलिस उप-निरीक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पिंपरी चिंचवड़ सिटी पुलिस के पुलिस इंस्पेक्टर वैभव शिंगारे के मुताबिक, एंटी नारकोटिक्स सेल ने शुक्रवार को नमामि झा नाम के पैडलर से 42 करोड़ कीमत की 42 किलो एमडी ड्रग बरामद की. जांच के दौरान, अधिकारियों को निगडी पुलिस स्टेशन से जुड़े एक उप-निरीक्षक की संलिप्तता मिली। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से 2.32 किलोग्राम मेफेड्रोन का एक बैग बरामद किया.कथित तौर पर इस घटना में शामिल पाए गए पुलिस उप-निरीक्षक की पहचान विकास शेल्के के रूप में की गई है।

यह एक दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि नागरिक अभी भी समस्या समाधान के लिए तकनीशियनों का दरवाजा खटखटाते हैं...

मुंबई: उच्च न्यायालय ने कहा है कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तांत्रिकों या फर्जी बाबाओं के दरवाजे खटखटाते हैं। साथ ही, सत्र अदालत ने छह कम उम्र की लड़कियों के यौन शोषण के लिए एक बंगाली पिता को दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा। इस बंगाली बाबा ने मां से विरासत में मिली आनुवंशिक समस्याओं के कारण बच्चों को शारीरिक विकलांगता के साथ पैदा होने से बचाने का इलाज मुहैया कराने का दावा करके इन लड़कियों का यौन उत्पीड़न किया।

आरोपी किसी भी प्रकार की दया का पात्र नहीं है। किबहुना न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने सजा के खिलाफ बंगाली बाबा की अपील को खारिज करते हुए यह भी कहा कि उन्हें दी गई आजीवन कारावास की सजा जीवन भर जारी रहेगी। सत्र न्यायालय ने 7 अप्रैल, 2016 को उन पर लगे सभी आरोपों में उन्हें दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आज भी नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तथाकथित तांत्रिक या बंगाली

बाबाओं के दरवाजे खटखटाते हैं और ये फर्जी बाबा उनकी कमजोरी और अंधविश्वास का फायदा उठाते हैं। इतना ही नहीं, वे उनसे पैसे भी वसूलते हैं और पीड़ितों का यौन उत्पीड़न भी करते हैं, इसका जिक्र भी कोर्ट ने आदेश में किया है. यह अंधविश्वास का एक अजीब मामला है और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आरोपी ने छह नाबालिग लड़कियों और एक नौकरानी सहित सात लोगों का यौन शोषण किया। शिकायतकर्ता महिलाओं को डर था कि उनकी नाबालिग बेटियों के हमारे जैसे अतिसक्रिय बच्चे होंगे। इसलिए वे इन लड़कियों को इलाज के लिए आरोपियों के पास ले गए थे. कोर्ट ने यह भी कहा कि बच्चियों के साथ हुए दुर्व्यवहार की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों को उचित सजा दी जानी चाहिए. शिकायतकताओं से वसूले गए 1.3 करोड़ रुपये में से 90 लाख 30 हजार रुपये पुलिस ने जब्त कर लिए. कोर्ट ने सेशन कोर्ट को ये रकम लड़कियों को देने का आदेश दिया. पुलिस के आरोपों के मुताबिक, आरोपी ने इस मामले में पीड़ित नाबालिग लड़कियों का इलाज करने के बहाने उनका यौन शोषण किया और उनके माता-पिता से 1.30 करोड़ रुपये भी वसूले। शिकायतकर्ता चार बहनें हैं। इनसे पैदा होने वाली लड़कियाँ तो सामान्य होती हैं लेकिन लड़कों में कई तरह की शारीरिक विकलांगताएँ होती हैं।

पुणे पुलिस ने एक पुलिस सब इंस्पेक्टर को 45 करोड़ की ड्रग्स के साथ किया गिरफ्तार

मुंबई: महाराष्ट्र में पुणे पुलिस ड्रग्स को लेकर एक्शन मोड़ में है. बावजूद इसके ड्रग्स की सप्लाई थमने का नाम नहीं ले रही है. ड्रग्स सप्लाई में कुछ पुलिसकर्मियों के शामिल होने की बात सामने आ रही है. पुणे पुलिस ने एक पुलिस सब इंस्पेक्टर को 45 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है. एक पुलिस अधिकारी का ड्रग्स कारोबार में नाम आने के बाद हड़कंप मच गया है. निगड़ी पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस अधिकारी विकास शेलके को गिरफ्तार किया गया है. पिंपरी चिंचवड़ पुलिस के मादक द्रव्य विरोधी दस्ते ने शेलके को मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स बेचने की कोशिश करने के आरोप में पकड़ा है.

चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस सब इंस्पेक्टर शेलके के पास से 45 करोड़ रुपये की 44.50 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई, जिससे राज्य में हड़कंप मच गया है. शुक्रवार (1 मार्च) सुबह करीब 4:30 बजे सांगवी पुलिस ने सबसे पहले पिंपल निलख में कार्रवाई की और बिहार के मूल निवासी 32 साल के नमामि शंकर झा को गिरफ्तार किया.

मॉनसून से पहले मुंबई की सड़कों के गड्ढे असफाल्ट और मास्टिक से भरे जाएंगे...

110 करोड़ खर्च करेगी बीएमसी

मुंबई: मॉनसून से पहले मुंबई में सड़कों के गड्ढे भरने पर बीएमसी 110 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगी। इसके लिए बीएमसी ने मुंबई सिटी सहित पश्चिम और पूर्व उपनगर के लिए टेंडर जारी किया है। खासबात यह है कि बीएमसी गड्ढे भरने के लिए फिर से पुरानी पद्धति पर लौट आई है। बीएमसी सड़कों के गड्ढे और पैचेज असफाल्ट और मास्टिक पद्धति से भरेगी। जबकि, बारिश के दौरान एम-60 ग्रेड तकनीक, हॉट मिक्स और कोल्ड मिक्स का इस्तेमाल किया जाता है और बीएमसी दावा करती है कि इससे दोबारा गड्ढे नहीं पड़ेंगे। बारिश के दौरान सड़कों पर बनने वाले गड्ढों और पैचेज की वजह से बीएमसी को नागरिकों से लेकर जनप्रतिनिधियों की आलोचना का सामना करना पड़ता है। बीएमसी ने सड़कों के गड्ढे भरने पर मास्टिक और अस्फाल्ट दोनों का उपयोग करने का फैसला किया है। मुंबई में कुल 2,050 किमी लंबी सड़कें हैं। इन सड़कों को बीएमसी ने दो भागों में बांटा है। इसमें 9 मीटर से कम और 9 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कें शामिल हैं। दोनों का अलग-अलग टेंडर जारी किया गया है। 9 मीटर से कम चौड़ी सड़क में छोटी और मुख्य सड़कों से छोड़कर गलियों की सड़क शामिल होती हैं। इस पर गड्ढे पड़ने से स्थानीय लोगों को अधिक परेशानियां होती हैं। जबकि मुख्य सड़क पर गड्ढे पड़ने से लोगों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है।

बीएमसी हर साल मॉनसून पूर्व सड़क पर बनने वाले गड्ढों को भरने के लिए ठेकेदार नियुक्त करती है, लेकिन इसके बावजूद मॉनसून के दौरान बीएमसी को गड्ढे की वजह से आलोचना झेलनी पड़ती है। गड्ढों को भरने के लिए ठेकेदार नियुक्त होने के बाद भी खुद सड़क पर बनने वाले गड्ढों को भरने का काम करती है।

नालासोपारा फर्जी मुठभेड़ मामला...

हत्या के आरोप में 2 पुलिसकर्मी गिरफ्तार

वसईः ठाणे विशेष जांच दल ने नालासोपारा में 2018 जोगिंदर राणा मुठभेड़ मामले में शनिवार को नालासोपारा से दो पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया. इन पुलिसकर्मियों के नाम मंगेश चव्हाण और मनोज सकपाल हैं। उन्हें 11 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है. सरायट गैंगस्टर जोगिंदर राणा 2018 में नालासोपारा में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।लेकिन यह एनकाउंटर फर्जी है और मृतक जोगिंदर राणा के भाई सुरेंद्र राणा ने मुझ पर अपने भाई की हत्या का आरोप लगाया है. स्थानीय पुलिस ने इसे नजरअंदाज कर दिया. इसलिए, सुरेंद्र राणा ने इस मामले में बॉम्बे हाई

कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद मामले की जांच के लिए ठाणे पुलिस उपायुक्त के मार्गदर्शन में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। 2023 में इस मामले में मंगेश चव्हाण और मनोज सकपाल दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था. लेकिन उन दोनों को गिरफ्तार नहीं किया गया.

इस बीच शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस मामले में पुलिस को कड़ी फटकार लगाई और इस बात पर नाराजगी जताई कि मामले की जांच संतोषजनक नहीं है. इसलिए शनिवार को तुरंत कार्रवाई की गई और चव्हाण और सकपाल दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया. विशेष जांच दल के सहायक पुलिस आयुक्त सुरेश वराडे ने बताया कि दोनों को वसई अदालत में पेश किया गया और 11 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। वर्तमान में मंगेश चव्हाण वर्तमान में नालासोपारा पुलिस स्टेशन में कार्यरत हैं और मनोज सकपाल क्राइम ब्रांच 3 स्क्वाड में कार्यरत हैं।

कौन थे जोगिंदर राणा ?

नालासोपारा में रहने वाला जोंगीदार राणा एक सराय गुंडा था। उनके खिलाफ बांद्रा, खार, सांताक्रूज, जुहू, कांदिवली और अनार्ला पुलिस स्टेशनों में 37 मामले दर्ज किए गए थे। इसमें चोरी और डकैती के अपराध शामिल थे. उनमें से अधिकांश अपराधों के लिए उन्हें सजा मिली। उनके खिलाफ विरार के अनार्ला पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

पैसों की बारिश का झांसा देकर यौन शोषण, ठाणे पुलिस ने 7 आरोपियों को किया गिरफ्तार

ठाणेः ठाणे अपराध जांच शाखा की यूनिट 1 ने सात लोगों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया है जो पैसे की बारिश कराने का झांसा देकर लड़कियों और महिलाओं का यौन शोषण करता था। इस गिरोह में एक महिला भी शामिल है. इस तरह का गिरोह पिछले छह महीने से चल रहा है और जांच में पता चला है कि ये अब तक 17 लड़कियों और महिलाओं का यौन शोषण कर चुके हैं. यह घटना ठाणे से लापता एक लड़की की जांच के दौरान सामने आई।

असलम शमी उल्लाह खान (54), सलीम जखरुद्दीन शेख (45), साहेबलाल वजीर शेख उर्फ यूसुफ बाबा (जादूगर) (61), तौसीफ शेख (30), शबाना शेख (45), शब्बीर शेख (53) और हितेंद्र शेट्टे (56)).) गिरफ्तार आरोपियों के नाम हैं।इसमें साहेबलाल वजीर शेख उर्फ यूसुफ बाबा मुख्य आरोपी है. ठाणे की एक 16 वर्षीय लड़की एक महीने पहले लापता हो गई थी। मामले की समानांतर जांच ठाणे अपराध जांच शाखा यूनिट 1 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप पाटिल की टीम द्वारा की जा रही थी। इसी जांच के दौरान टीम को जानकारी मिली कि लापता लड़की अपनी एक सहेली के घर पर हैं।

सपा के वरिष्ठ नेता रेवती रमण तोड़ सकते हैं सपा से नाता... भाजपा में जाने की अटकलें

फूलपुर : भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश की 80 में से 51 लोकसभा सीट से प्रत्याशियों के नाम की सूची जारी करने के बाद अब सभी निगाहें फूलपुर और इलाहाबाद लोकसभा सीट पर टिकी हुई हैं। इन दोनों ही सीटों पर भाजपा का कब्जा है। इस बीच अब फिर से इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि सपा के वरिष्ठ नेता रेवती रमण सिंह किसी भी दिन पार्टी से नाता तोड़ सकते हैं। उनके भाजपा में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, कुछ लोगों ने उनके कांग्रेस से संपर्क में होने की बात कही है। गठबंधन के बाद सपा ने इलाहाबाद लोकसभा सीट कांग्रेस को दे दी गई है। इस सीट से सपा के टिकट पर रेवती रमण सिंह लगातार दो बार सांसद रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि वह इस सीट से अपने पुत्र उज्जवल रमण सिंह को टिकट दिए जाने की वकालत कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस के पास यह सीट जाने के बाद उन्हें काफी झटका लगा। इसे लेकर पिछले दिनों ही रेवती ने अपनी नाराजगी भी जताई। उन्होंने यह भी कह दिया कि अखिलेश किसी की नहीं सुनते। बीते ढाई वर्ष से उनकी अखिलेश से बात भी नहीं हुई।

इलाहाबाद लोकसभा सीट पर 1984 के बाद से कांग्रेस चुनाव नहीं जीत सकी है। इस सीट पर समाजवादियों का वर्चस्व रहा है। रेवती के करीबियों का कहना है कि वह अब सपा से नाता तोड़ सकते हैं। इस बीच खबर यह भी आई है कि रेवती की भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात भी हो चुकी है। हालांकि, जब रेवती से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी वह सपा में ही हैं। मेरी न कांग्रेस से बात हुई है और न ही भाजपा से। अपने लोगों से बातचीत कर आगे क्या करना है उस संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

अब फूलपुर और इलाहाबाद सीट पर टिकी निगाहें

भाजपा द्वारा प्रतापगढ़ से संगम लाल गुप्ता को एक बार फिर से टिकट दिए जाने के बाद अब इस बात के आसार कम ही हैं कि फूलपुर और प्रतापगढ़ से किसी वैश्य उम्मीदवार को टिकट मिले। फूलपुर सीट से वर्तमान में सांसद केशरी देवी पटेल हैं। ऐसे में उनकी दावेदारी तो इस सीट पर है ही, इसके अलावा विधायक प्रवीण पटेल, विक्रम सिंह पटेल, कौशलेंद्र पटेल के नाम भी इन दिनों चर्चा में हैं। इसी तरह इलाहाबाद सीट से सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी के अलावा विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी का भी दावेदार के रूप में नाम लिया जा रहा है। यहां से गिरीश चंद्र त्रिपाठी, योगेश शुक्ला, रईस शुक्ला, डॉ. एलएस ओझा, डॉ. भगवत पांडेय आदि का भी नाम सोशल मीडिया में चल रहा है।

बस में एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न... ड्राइवर और हेल्पर को 5 साल कैद की सजा

वसई : स्कूल बस में 4 साल की बच्ची से यौन उत्पीड़न के मामले में ठाणे सेशन कोर्ट ने बस ड्राइवर और हेल्पर दोनों को दोषी ठहराया है। ड्राइवर को 5 साल सश्रम कारावास और महिला हेल्पर को 8 महीने कारावास की सजा सुनाई गई है. यह घटना 2019 में मीरा रोड के नया नगर पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई थी। डेनिस लुईस (63) को स्कूल बस ड्राइवर के रूप में काम करना था। इस बस में जेनोविया मथाइस (32) दाई का काम कर रही थी। मथाइस ने एक बस में 4 साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने उन्हें 14 दिसंबर 2019 को गिरफ्तार किया था. घटना के बारे में जानकर उनके सहायक जेनोविया मथाइस ने इसे छुपाया और ड्राइवर का समर्थन करने की कोशिश की। बाद में कुछ दिनों बाद उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मथाइस गिरफ्तारी के बाद से ही जेल में था.

मामले की जांच तत्कालीन पुलिस इंस्पेक्टर कैलास बर्वे ने की थी और आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत कोर्ट में पेश किये थे. उसके आधार पर, न्यायाधीश डी. एस. देशमुख ने मथाई के पिता और पुत्री को दोषी पाया। डेनिस मथाइस को 5 साल के कठोर कारावास और रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई गई। बस में उनके सहायक जेनोविया को 8 महीने की कैद और 5,000 रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई गई. संध्या म्हात्रे और विवेक कुडू ने सरकारी वकील के रूप में काम किया। नया नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विलास सुपे ने कहा कि पीड़ित लड़की द्वारा अदालत में दी गई गवाही महत्वपूर्ण थी और इससे आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में मदद मिली.

बीजेपी ने हेमा मालिनी पर जताया भरोसा... लगातार तीसरी बार मिला टिकट

मुंबईः आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी, ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जार कर दिया है। बीजेपी ने अपने पहले लिस्ट में 195 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। इसमें एक्ट्रेस और उत्तर प्रदेश के मथुरा लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद हेमा मालिनी का भी नाम शामिल हैं। उन्हें लगातार तीसरी बार मथुरा से टिकट मिला है।

हेमा मालिनी की प्रतिक्रिया

टिकट मिलने पर हेमा मालिनी ने कहा कि तीसरी बार मथुरा से लड़ने के लिए टिकट मिला है। मैं यहां पर पहले के मुकाबले और काम करूंगी। मुझ पर फिर से विश्वास करने के लिए मैं प्रधानमंत्री, गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देती हूं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी लड़ेंगे चुनाव

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने कल यानी शनिवार को 16 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इस सूची में 34 केंद्रीय मंत्रियों के अलावा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के भी नाम शामिल हैं। बिरला एक बार फिर कोटा से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे।

PM **मोदी एक बार फिर काशी से**

बीजेपी महासचिव विनोद तावड़े, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा और मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर वाराणसी से, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गांधीनगर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ से चुनाव लड़ेंगे।

बोईसर में बिजली का तार छूने से मां-बेटे की मौत

बोइसर : बोइसर के पास शिगांव खुटाड़ में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है, जहां जंगली जानवरों से बचाने के लिए लगाए गए बिजली के तार को छूने से एक मां और बच्चे की मौत हो गई। बोइसर के पास शिगांव खुटाड़ में एक प्रवासी परिवार मिर्च के खेत में काम कर रहा था। खेत को जंगली सूअर से बचाने के लिए उसने बिजली का तार लगाया था. शाम करीब सात बजे वज्रपात की चपेट में आने से बालक ओमप्रकाश कन्हैया सहनी और उसे बचाने आये उसकी मां ललिता देवी कन्हैया सहनी की मौके पर ही मौत हो गयी.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८९ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com